Raga of the Month August 2024 Raga Patadeep and its Murchana(s)

राग पटदीप और उसकी मूर्च्छनाएँ

राग पटदीप बहुत प्राचीन राग नहीं। सिर्फ गंधार कोमल और बाकी सर्व शुद्ध होनेके कारन प्रचलित दस थाटोंके अंतर्गत यह राग आता नहीं। कर्नाटक संगीतके गौरी मनोहरी मेलकर्ता मे इस रागका वर्गीकरण किया जाता है ; हिंदुस्तानी संगीतमे इसे काफी थाटका राग मानते है। इस राग का गान समय दोपहर १ से ४ बजेतक माना जाता है ; इसके कारन यह राग कर्णमधुर होते हुए भी क्वचित ही मैफिलोंमे सादर किया जाता है। यह एक साधारण कोटीका राग माना जाता है।

अब हम पटदीप राग की मूर्च्छनाओं का अभ्यास करेंगे।

(संदर्भ - oceanofragas.com/ Raga Search/ Murchana Finder Table submenu की मददसे आप किसी भी रागकी सारी मूर्च्छनाएँ तथा वे किन रागोंसे मिलती-जुलती हैं यह देख सकते हैं।)

नीचे दी हुई तालिकासे हम देख सकते हैं की पहली मूर्च्छनासे राग अहीरीतोडी, तीसरी मूर्च्छनासे राग वाचस्पती , चौथी मूर्च्छनासे राग चारुकेशी और छठी मूर्च्छनासे राग फरीदी तोडी ऐसे कर्ण प्रिय राग मिलते हैं; दूसरी और पाँचवी मूर्च्छनासे कोई राग मिलता नहीं।

Scale	S सा	r रे	R रे	g ग	G ग	M म	m मं	P प	d ध	D ध	n नि	N नि	S सा	r रे	R रे	g ग	G ग	M म	m मं	P प	d ध	D ध	n नि	N नि	मूर्च्छना प्रक्रियासे बननेवाले राग
पटदीप	सा		रे	ग		म		प		ध		नि	सा		रे	ग		म		प		ध		नि	
मूर्च्छना 1			सा	रे		ग		म		प		ध	नि												अहीरीतोडी
मूर्च्छना 2				सा		रे		ग		मं		ध	ध		नि										x
मूर्च्छना 3						सा		रे		ग		मं	प		ध	नि									वाचस्पती
मूर्च्छना 4								सा		रे		ग	म		प	ध		नि							चारुकेशी
मूर्च्छना 5										सा		रे	ग		म	मं		ध		नि					x
मूर्च्छना 6												सा	रे		ग	ग		मं		ध		नि			फरीदी तोडी

आज के ऑडियो में हम पंडित बसवराज राजगुरू जीने गाया हुआ राग पटदीप सुनेंगे ।

आभार : पंडित यशवंतबुवा महाले

01-08-2024

Link to the list of 160+ "Raga of the month" articles

@ Archive of ROTM Articles - https://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx